बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

यिर्मयाह, आशुओं वाला आदमी

लेखक : Edward Hughes
व्याख्याकार : Jonathan Hay
अनुवाद : Suresh Kumar Masih
रूपान्तरकार : Mary-Anne S.

60 कहानियों में से 28 (पहला)

www.M1914.org

Bible for Children, *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*

अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

हिन्दी Hindi

यिर्मयाह यहूदा के राज्य में एक धार्मिक घर में पैदा हुआ था। उसका पिता, हिल्किय्याह, एक पुजारी था। उसका परिवार अनातोत नामक एक शहर में रहता था जो यरूशलेम से कुछ ही दूरी पर है। शायद यिर्मयाह के माता पिता भी सोच रहे थे; वह भी एक पुजारी बन जाएगा। लेकिन परमेश्वर के पास कुछ और ही योजना थी।

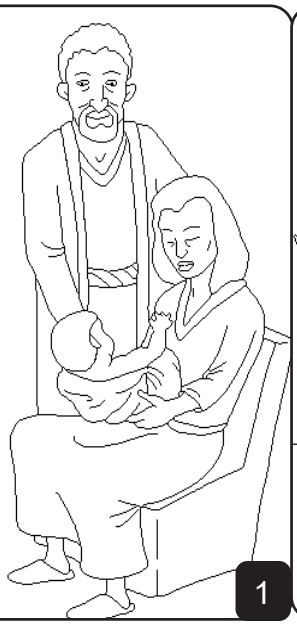

1

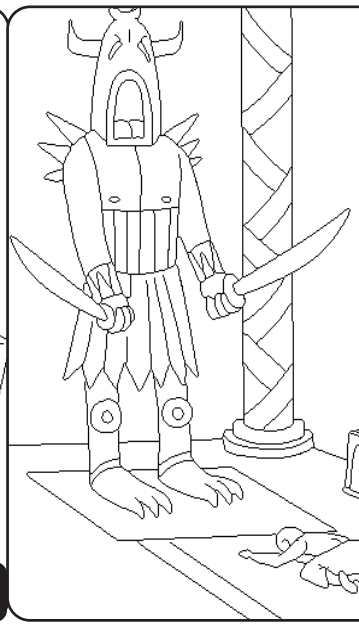

यिर्मयाह के जन्म के समय, परमेश्वर के लोग उसके वचनों के अनुसार नहीं जी रहे था। लगभग हर तपदे से हर कोई, राजा से लेकर नीचे सबसे विनम्र कार्यकर्ता तक; झूठे देवताओं कि पूजा करते थे - यहां तक कि परमेश्वर के अपने पवित्र मंदिर में भी!

2

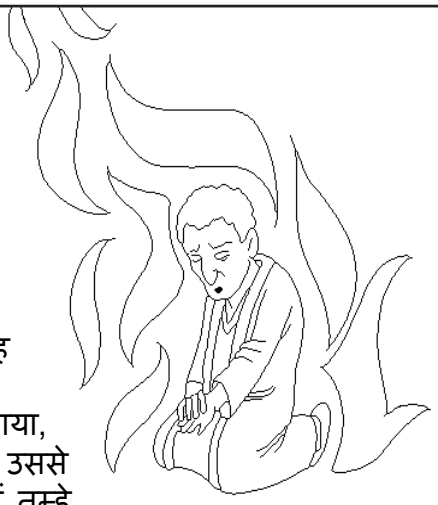

जब यिर्मयाह एक जवान आदमी हो गया, परमेश्वर ने उससे बातें की। "मैं तुम्हे, तुम्हारे जन्म के पहले से ही जानता हूँ" और तब मैंने यह योजना बनाई की तुम मेरे लिए बातें करो।

3

परमेश्वर की बुलाहट से शायद यिर्मयाह को डर लगने लगा होगा। "हे, प्रभु परमेश्वर!" वह पुकार कर कहा "मैं तो सिर्फ एक बालक हूँ; मैं बात नहीं कर सकता हूँ।" वह एक बच्चे की तुलना में बड़ा था; - वह उस समय बीस वर्ष का था।

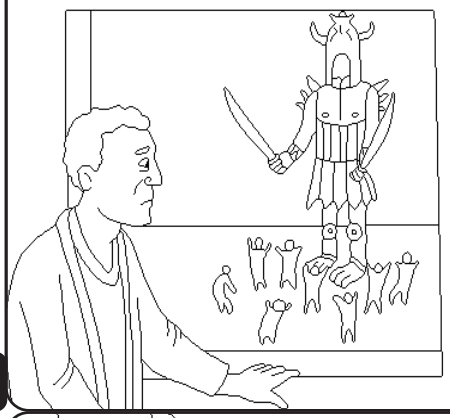

लेकिन यिर्मयाह को लगता था कि वह उसके चारों ओर की दुष्टता के खिलाफ परमेश्वर के लिए लोगों को चेतावनी नहीं दे सकता था।

4

"मत डरो" परमेश्वर ने यिर्मयाह को आश्वासन दिया। जहाँ कहीं भी मैं तुम्हे भेजता हूँ, तू वहाँ जा।

जो कुछ मैं तुम्हें कहने के लिए कहता हूँ तू कह।

5

मैं तुम्हारे साथ हूँ और मैं तुम्हे छुड़ाऊंगा। तब परमेश्वर ने कुछ खास किया। परमेश्वर ने यिर्मयाह के मुंह को छुआ।

6

परमेश्वर ने यिर्मयाह को शक्ति और साहस और बुद्धि दी। उसने हियाव से लोगों को बताया कि परमेश्वर उन्हें प्यार करता है और उनकि मदद करना चाहता है। लेकिन किसी ने भी उसकी न सुनी। राजा भी नहीं।

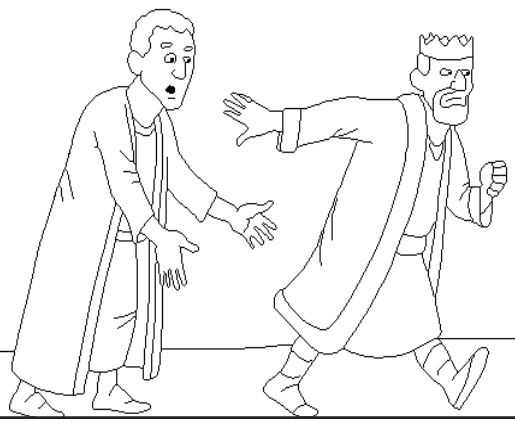

7

यहां तक कि पुजारियों ने भी क्रोध किया और परमेश्वर के बारे में बातें करने से मना किया। झूठे भविष्यद्वक्ताओं ने भी यिर्मयाह के बारे में बताये कि वह सच नहीं बोल रहा था।

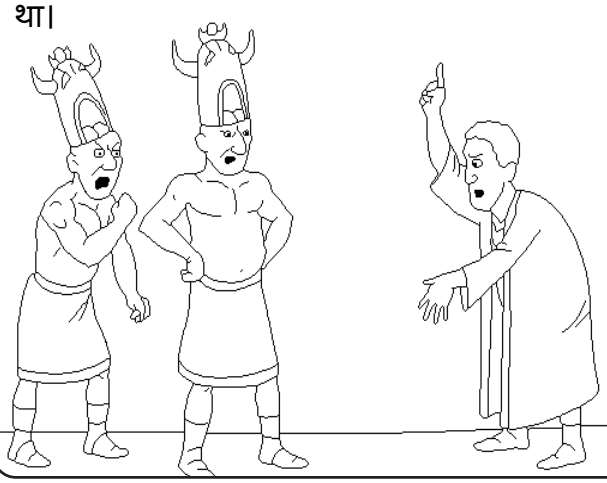

8

यिर्मयाह ने लोगों को याद दिलाया कि सौ साल पहले, इस्राएल के उत्तरी राज्य ने परमेश्वर को त्याग दिया था। उनके दुश्मन, अश्शूरी लोगों ने उनपर विजय प्राप्त कि और उन सभी इस्राएलियों को दूर देश लेकर चले गये।

9

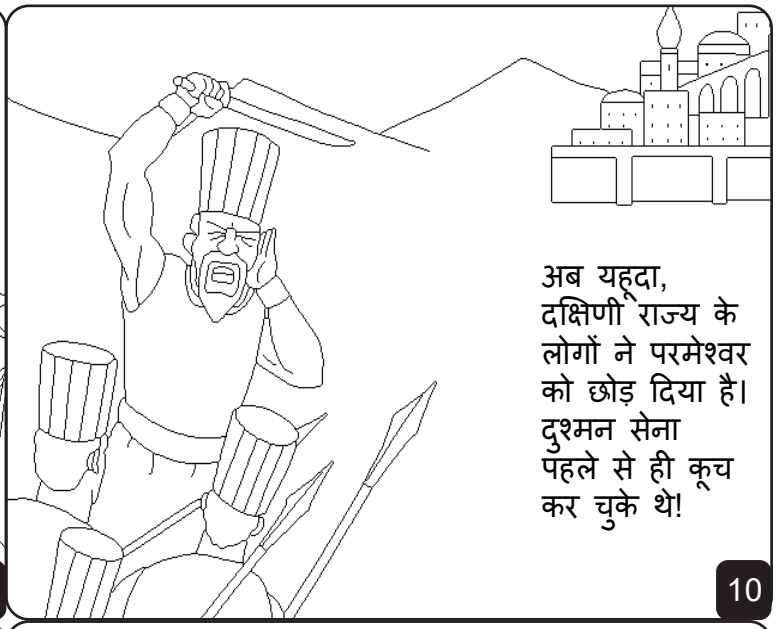

अब यहूदा, दक्षिणी राज्य के लोगों ने परमेश्वर को छोड़ दिया है। दुश्मन सेना पहले से ही कूच कर चुके थे!

10

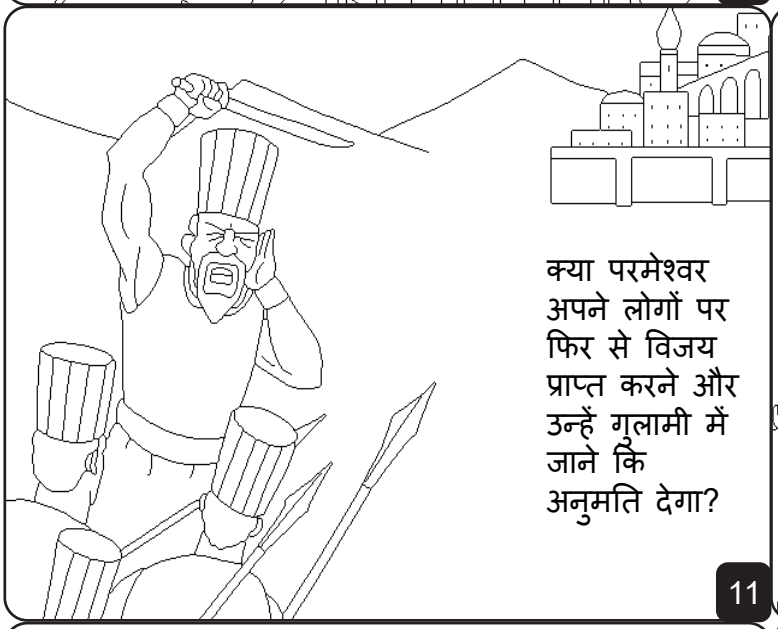

क्या परमेश्वर अपने लोगों पर फिर से विजय प्राप्त करने और उन्हें गुलामी में जाने कि अनुमति देगा?

11

लोगों ने अपनी मूर्तियों पर भरोसा किया। क्या मूर्तियां उन्हें उनके शत्रुओं से रक्षा कर सकतीं है? नहीं! केवल परमेश्वर ही उन्हें बचा सकता है। लोग यिर्मयाह पर इतना क्रोधित हो गये कि उसे मारने कि साजिश तक कर डाली। लेकिन परमेश्वर ने अपने दास कि रक्षा की।

12

अंत में, परमेश्वर ने यिर्मयाह को कुछ ऐसी चौंकाने वाली बातें कही। परमेश्वर ने कहा, "इन लोगों के लिए प्रार्थना मत कर; वे जब मदद के लिए मेरी गुहार लगाएंगे तब मैं उन्हें नहीं सुनूंगा।"

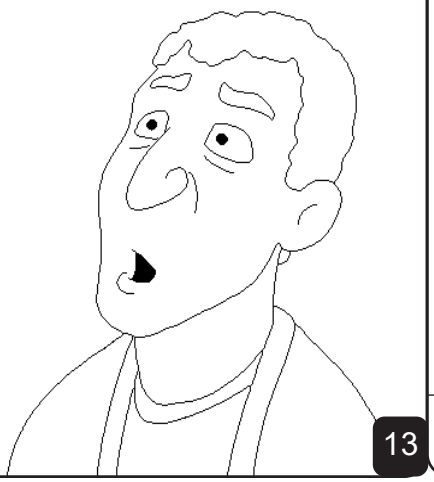

13

यिर्मयाह ने राजा को चेतावनी दी कि वह बाबुल की सेना के साथ लड़ाई में हार जायेगा। राजा क्रोधित हुआ और यिर्मयाह को जेल में डलवा दिया। यहां तक की जेल में भी, यिर्मयाह ने परमेश्वर पर विश्वास और उपदेश जारी रखा।

14

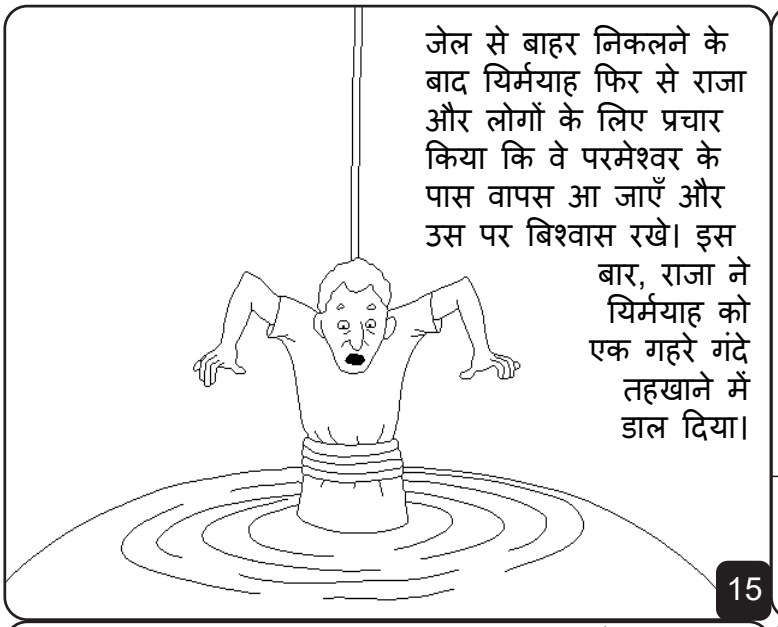

यिर्मयाह, आशुओं वाला आदमी

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

यिर्मयाह

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

ईश्वर (परमेश्वर) जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप कहता है. पाप की सज़ा मौत है.

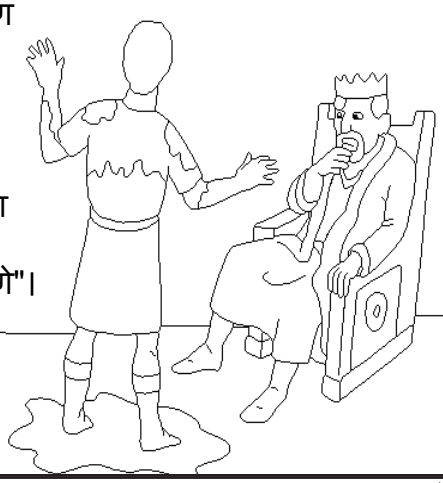

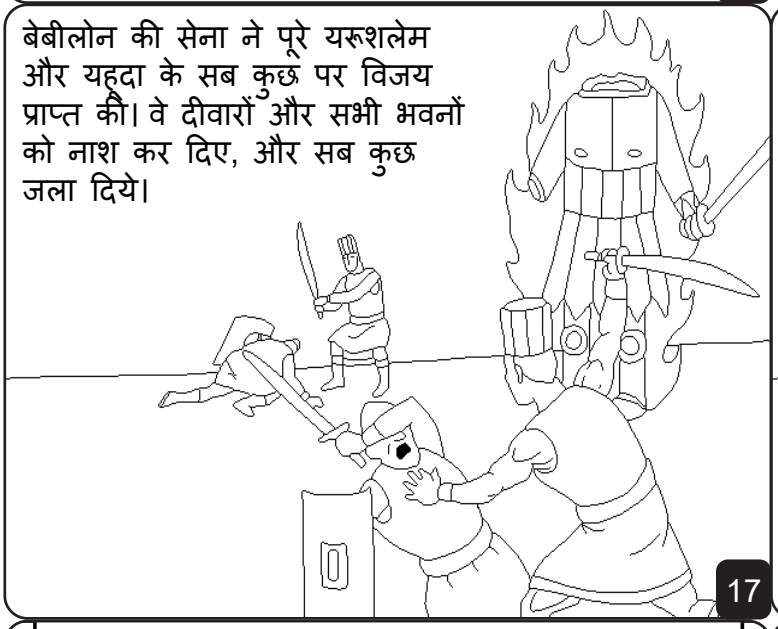

ईश्वर (परमेश्वर) हमसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने पुत्र यीशु को भेजा कि हमारे पापों की सज़ा के रूप में वह टिकटी (क्रॉस) पर चढ़ कर अपने प्राणों की बलि दे दे. यीशु मरकर फिर जीवित हुआ और पुन: स्वर्ग चला गया. ईश्वर (परमेश्वर) अब हमारे पापों को क्षमा कर सकता है.

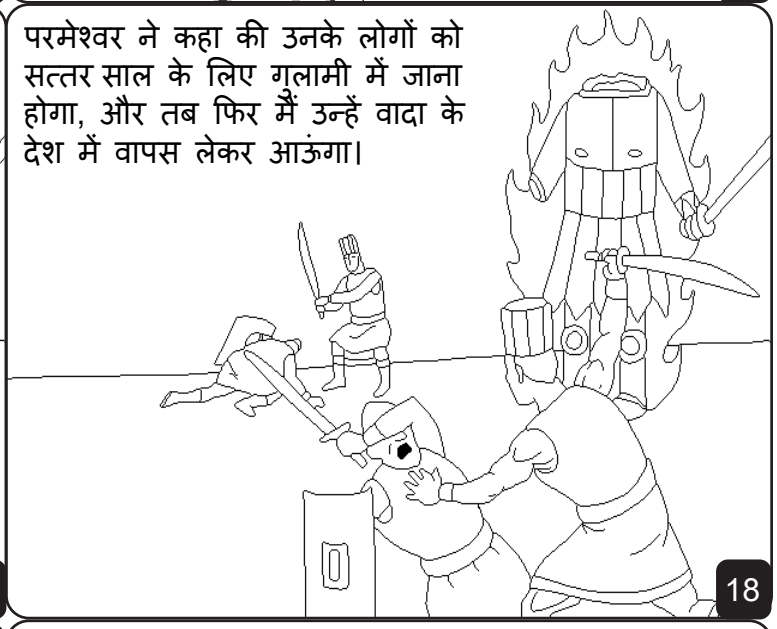

यदि आप अपने गुनाहों और पापों से बचना चाहते हैं तो उससे दुआ करें; प्रिय ईश्वर (परमेश्वर) मुझे विश्वास है कि यीशु ने मेरे लिए अपने जीवन की बलि दी और अब पुन: जीवित हुआ है. हे ईश्वर (परमेश्वर) तू मेरी ज़िंदगी में आ और मेरे पापों को माफ कर दे ताकि मैं एक नई ज़िंदगी जी सकूं और हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ रह सकूं. हे ईश्वर (परमेश्वर) मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं.
आमीन. जॉन 3:16

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर (परमेश्वर) से बात करें.